हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार 22 जून 2026

12 स्व. मनोज शर्मा की पुण्य स्मृति में रक्तदान...

12 करीब 22 लाख खर्च, फिर भी गंदगी से नालों का बुरा हाल

खबर संक्षेप

देवयानी स्कूल में मनाया योग दिवस

महेंद्रगढ़। देवयानी इंटरनेशनल स्कूल बेवल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का भव्य आयोजन किया। स्कूल के विद्यार्थियों, अभिभावकों, क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति और पंचायतों के सदस्यों ने योगभ्यास में हिस्सा लिया। सुबह छह बजे कार्यक्रम का शुभारंभ ओम मंत्रोच्चारण के साथ किया। एकरिंग की भूमिका निभाने वाले अध्यापक प्रवीण कुमार ने सभी प्रकार के योगासन से होने के वाले फायदे बताए। प्राचार्य रामपाल ने बताया कि शरीर की बाह्य सुंदरता, आंतरिक अंगों की सफाई और दिमाग की एकाग्रता तथा याददाश्त को तेज करने के लिए नित्य नियम से योगाभ्यास करना बहुत जरूरी है।

दुकान के बाहर रखे सरसों के 37 कट्टे चोरी

नारनौल। शहर की पुरानी अनाज मंडी में स्थित एक दुकान के बाहर रखे सरसों के कट्टों में से 37 कट्टे चोरी होने का मामला सामने आया है। चोरी की इस वारदात में करीब एक लाख 30 हजार रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया गया है। घटना के बाद दुकानदार ने पुलिस को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है।

किसानों के खेतों से कृषि उपकरण चोरी

कनीना। क्षेत्र में चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। रात के अंधेरे में खेतों में रखे कृषि उपकरणों को निशाना बनाया जा रहा है। जिससे अन्नदाता बेहद परेशान हैं। हाल ही में 17 जून रात्रि को ककराला रोड पर अज्ञात चोरों ने कई किसानों के खेतों से सिंचाई उपकरण एल्युमिनियम के बैण्ड, टी और फव्वारों की गिलासी चोरी कर ली। इस घटना से आक्रोशित किसानों ने सिटी थाना में लिखित शिकायत देकर अज्ञात चोरों को काबू कर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मौसम का मिजाज

कमजोर पश्चिमी विक्षोभ से प्री-मानसून गतिविधियां जारी

जिले में अभी और बढ़ेगा मानसून का इंतजार, जुलाई तक दे सकता है दस्तक

- 27 जून के बाद बंगाल की खाड़ी में बनने वाले निम्न दबाव क्षेत्र से मानसून को मिल सकती है नई रफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। हरियाणा, एनसीआर दिल्ली के जिला महेंद्रगढ़ में भी मौसम लगातार परिवर्तनशील बना हुआ है। कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में बादलों की आवाजाही, तेज गति की हवाएं तथा कहीं-कहीं हल्की बारिश तथा बूंदाबांदी की गतिविधियां देखने को मिल रही हैं। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेशवासियों को अभी मानसून के लिए कुछ और इंतजार करना पड़ेगा, क्योंकि जून माह में हरियाणा-एनसीआर-दिल्ली में मानसून के पहुंचने की संभावना फिलहाल कमजोर बनी हुई है।

बता दें कि 18 जून को हरियाणा के पश्चिमी, दक्षिणी, उत्तरी तथा मध्यवर्ती जिलों में आंधी-अंधड़ और हल्की बारिश की गतिविधियां दर्ज की गई थीं, जिससे दिन व रात के तापमान में गिरावट देखने को मिली। इसके बाद 19 जून को मौसम सामान्यतः शुष्क बना रहा तथा तापमान में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई। शनिवार को हिसार, भिवानी, झज्जर, बहादुरगढ़, गुरुग्राम, बल्लभगढ़, फरीदाबाद व पलवल सहित कई क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश और बूंदाबांदी हुई, जबकि अन्य क्षेत्रों में बादलों की आवाजाही बनी रही। वहीं 21 जून को उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर एक नया कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हुआ है। जिसके प्रभाव से 23 जून तक हरियाणा, एनसीआर दिल्ली में मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है।

मानसून की रफ्तार पड़ी धीमी

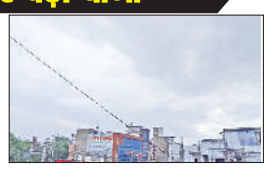

इस वर्ष मानसून ने अंडमान-निकोबार द्वीप समूह व देश के कई हिस्सों में समय से पहले दस्तक दी थी, लेकिन वर्तमान समय में इसकी रफ्तार धीमी पड़ गई है। देश के कई राज्यों में किसान खरीफ फसलों की बुवाई के लिए बारिश का इंतजार कर रहे हैं। हरियाणा के पश्चिमी व दक्षिणी जिलों में कुछ स्थानों पर प्री-मानसून बारिश से राहत मिली है, जबकि उत्तरी और पूर्वी जिलों में लोग अभी भी अच्छी वर्षा की प्रतीक्षा कर रहे हैं। मौसम विशेषज्ञ डॉ. चन्द्र मोहन के अनुसार मानसून की धीमी गति के पीछे कई भौगोलिक कारण जिम्मेदार हैं। सामान्यतः कम दबाव के क्षेत्र, डिप्रेशन और चक्रवाती परिसंचरण मानसून को आगे बढ़ाने में मदद करते हैं, लेकिन इस बार ऐसी प्रणालियां विकसित नहीं हो रही हैं।

मानसून फिर पकड़ सकता है गति

क्रॉस-इक्वेटोरियल फ्लो यानी भूमध्य रेखा को पार करके आने वाली नमीयुक्त हवाएं भी कमजोर बनी हुई हैं। यही हवाएं अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से नमी लेकर भारत में वर्षा करवाती हैं। इनके कमजोर पड़ने से मानसून की प्रगति प्रभावित हो रही है। इसके अतिरिक्त मैडेन-जूलियन ऑसिलेशन (एमजेओ) की कमजोर स्थिति भी मानसून को प्रभावित कर रही है। हालांकि जून के अंतिम सप्ताह में बंगाल की खाड़ी में बनने वाली मौसम प्रणाली यदि अनुकूल रही, तो जुलाई की शुरूआत में मानसून एक बार फिर गति पकड़ सकता है। - डॉ. चंद्रमोहन, नोडल अधिकारी, पर्यावरण क्लब राजकीय महाविद्यालय, नारनौल।

नीट परीक्षा

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा रविवार को जिले के नौ परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण संपन्न

दावों के टेंट में नहीं मिली राहत उमस में पसीने-पसीने हुए अभिभावक

नारनौल। कालेज गेट पर टेंट में बैठे अभिभावक, जहां पंखे या कूलर की व्यवस्था तक नहीं। फोटो : हरिभूमि

- केंद्रों के बाहर सुविधाओं की खुली पोल
- चक्कर काटती रही छात्रा, समय निकलने पर परीक्षा से वंचित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल।

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) रविवार को जिले के नौ परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गई। प्रशासन की ओर से परीक्षा को लेकर सुरक्षा और निगरानी के कड़े इंतजाम किए गए थे, लेकिन अभिभावकों के लिए किए गए सुविधाओं के दावे कई केंद्रों पर खोखले साबित होते नजर आए। जिला प्रशासन ने परीक्षा केंद्रों के बाहर अभिभावकों के लिए टेंट, एयर कूलर, पंखे, पेयजल और बैठने की व्यवस्था होने का दावा किया था, लेकिन हकीकत इससे विपरीत दिखाई दी। रेलवे रोड स्थित राजकीय महाविद्यालय सहित कई केंद्रों के बाहर टेंट तो लगाए गए थे, लेकिन उनमें न तो एयर कूलर थे और न ही पंखों की व्यवस्था दिखाई दी। टेंट के भीतर केवल कारपेट बिछाए गए थे। ऐसे में अभिभावकों को गर्मी और उमस दोनों का सामना करना पड़ा। जिले के नौ परीक्षा केंद्रों पर लगभग 3800 परीक्षार्थियों को परीक्षा देनी थी। प्रशासन की ओर से परीक्षार्थियों को बस स्टैंड से परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने के लिए रोडवेज बसों की व्यवस्था की गई थी, लेकिन अधिकांश परीक्षार्थी जिले के ही होने के कारण निजी वाहनों से पहुंचे।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम, हर गतिविधि पर नजर

नीट परीक्षा को लेकर प्रशासन और पुलिस पूरी तरह सतर्क दिखाई दिए। सभी परीक्षा केंद्रों के बाहर भारी पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस की गाड़ियां लगातार गश्त करती रहीं। कभी थाना प्रभारी तो कभी डीएसपी केंद्रों का निरीक्षण करते नजर आए। पुलिस अधीक्षक दीपक और उपायुक्त अनुपमा अंजली ने भी विभिन्न परीक्षा केंद्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पेपर लीक जैसी किसी भी आशंका को रोकने के लिए प्रशासन ने विशेष सतर्कता बरती। सादी वर्दी में पुलिसकर्मी परीक्षार्थियों के बीच घूमते रहे और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी गई। परीक्षा पूरे जिले में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

जांच से गुजरकर मिला प्रवेश

परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश से पहले परीक्षार्थियों की बहुस्तरीय जांच की गई। सबसे पहले प्रवेश पत्र और पहचान पत्र का मिलान किया गया। इसके बाद फोटो सत्यापन, मेटल डिटेक्टर जांच और शारीरिक जांच की प्रक्रिया अपनाई गई। लड़कियों के गहने उतरवाए गए और हाथों में बंधे धागों तक को हटवाया गया। पूरी जांच के बाद ही परीक्षार्थियों को परीक्षा कक्ष तक पहुंचने की अनुमति दी गई।

यह बोले नोडल अधिकारी

नीट परीक्षा के जिला नोडल अधिकारी एवं केंद्रीय विद्यालय रघुनाथपुरा के प्राचार्य ओमप्रकाश यादव ने बताया कि जिले में लगभग 3800 अभ्यर्थियों को परीक्षा देनी थी, जिनमें से करीब 200 अनुपस्थित रहे। लगभग 3600 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण रही और कहीं कोई अप्रिय घटना सामने नहीं आई।

डीसी ने ली परीक्षा की पल-पल की अपडेट

नीट शांतिपूर्ण व सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हुई। उपायुक्त अनुपमा अंजली कमांड सेंटर से दिनभर पल-पल की अपडेट लेती रही। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार के दिशानिर्देशों के अनुरूप प्रशासन द्वारा परीक्षार्थियों के आवागमन के लिए बसों की विशेष व्यवस्था की गई थी, ताकि किसी को भी असुविधा न हो।

परीक्षा से चूक गई एक छात्रा

परीक्षा के दौरान एक छात्रा सेंटर एड्रेस त्रुटि की शिकार होकर परीक्षा से वंचित रह गई। मोहल्ला शास्त्री नगर निवासी कोमल के प्रवेश पत्र में परीक्षा केंद्र के नाम और पते को लेकर भ्रम की स्थिति बन गई। प्रवेश पत्र में एक स्थान पर गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल नारनौल लिखा था, जबकि पते में मारोली, निजामपुर-सिंघाना रोड अंकित था।

एयर कंडीशनर की ठंडक बनी मौत का जंजाल

गाड़ी में सोए युवक की गई जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

खंड सिहमा के गांव फैजाबाद में शनिवार को एक दर्दनाक घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया। यहां कार के अंदर एयर कंडीशनर चलाकर सो रहे एक युवक की दम घुटने से मौत हो गई। मृतक की पहचान 39 वर्षीय विकास पुत्र हरलाल के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विकास शनिवार दोपहर करीब 12 बजे अपनी कार में एयर कंडीशनर चालू कर आराम करने के लिए सो गया था। बताया जा रहा है कि कुछ समय बाद गाड़ी के एसी का फैन बंद हो गया, जिससे वाहन के अंदर हवा का संचार रुक गया। बंद गाड़ी में ऑक्सीजन की कमी और बढ़ती घुटन के कारण उसकी हालत बिगड़ती गई और आखिरकार उसकी मौत हो गई। सायं करीब छह बजे जब परिजनों ने काफी देर तक कोई हलचल न देखी तो उन्होंने गाड़ी का दरवाजा खोला। अंदर विकास को अचेत अवस्था में पाया गया। जांच करने पर उसकी मौत की पुष्टि हुई। घटना के बाद परिवार में मातम छा गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक अपने पीछे एक 22 वर्षीय बेटे को छोड़ गया है। फैजाबाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया।

नांगल के तेजप्रकाश शर्मा बने वायु सेना में फ्लाइंग ऑफिसर

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव नांगल के होनहार युवा तेजप्रकाश शर्मा ने भारतीय वायु सेना में फ्लाइंग ऑफिसर बनकर अपने परिवार गांव और पूरे अटेली क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस शानदार उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। तेज प्रकाश शर्मा के पिता राजेश कुमार शर्मा भारतीय वायु सेना में मास्टर वारंट अफसर के पद पर कार्यरत हैं।जबकि माता सुनीता देवी गृहिणी हैं। माता-पिता ने बेटे की सफलता का श्रेय उसकी कड़ी मेहनत,अनुशासन और देशसेवा के प्रति समर्पण को दिया है परिवार के अनुसार,तेज प्रकाश ने बचपन से ही बड़े लक्ष्य निर्धारित किए और निरंतर प्रयासों के बल पर यह मुकाम हासिल किया। उनके स्वर्गीय दादा मातादीन मिस्त्री और दादी कमला देवी के संस्कारों के साथ-साथ परिवार के सहयोग ने भी उनके व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी इस उपलब्धि से पूरे गांव में गर्व और उत्साह का माहौल है। ग्रामीणों और शुभचिंतकों का कहना है कि तेज प्रकाश शर्मा की सफलता क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनकी उपलब्धि यह संदेश देती है कि दृढ़ संकल्प, लग्न और मेहनत के दम पर कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

एसआईआर के नाम पर भाजपा के षड्यंत्र को नहीं होने देंगे कामयाब: सुमेर बिहाली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

मंडी अटेली। कांग्रेस ब्लॉक प्रधान बनने पर सुमेर बिहाली का अभिनंदन करते कार्यकर्ता।

वरिष्ठ नेता सुमेर बिहाली के कांग्रेस पार्टी का अटेली ब्लाक अध्यक्ष बनने पर रविवार को कांग्रेस के पदाधिकारियों ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महेंद्र सिंह राता के कार्यालय पर अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। नवनियुक्त हलका अध्यक्ष सुमेर बिहाली ने कहा कि कांग्रेस पार्टी भारत के विभिन्नता में एकता के ताने-बाने के साथ चल कर हर जाति, धर्म, क्षेत्र के नागरिकों के साथ होती है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिका अर्जुन खड़गे, लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी व प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र के नेतृत्व में अपने मूल सिद्धांतों पर चल कर देश में विपक्ष की भूमिका निभा रही है। इस मौके पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महेंद्र राता ने कहा कि कांग्रेस गरीब, कमजोर, किसान, मजदूर, पिछड़े, आदिवासी, दलित सहित सभी वर्गों को साथ लेकर आगे बढ़ना चाहती है। मंच संचालन कमलेश सैनी ने किया। इस मौके पर कांग्रेस के पूर्व ब्लाक चेयरमैन दलीप सिंह, जिला सचिव बलवंत मोहनपुर, राजबीर सिलारपुर, जिला सचिव सुमेर सरपंच, रमेश नंबरदार, ओमप्रकाश बाबूजी, तरुण यादव, अनुज, लाल सिंह, मुरारीलाल, रगबीर सरपंच, डा. कृष्ण बिहाली, प्रहलाद, श्रीकांत, नरेंद्र चौहान, कबूल, भूप सिंह, राजेश लांबा, अतुल यादव, शीशराम, बिल्लू, संतोष बाबू, तेजपाल व धर्मपाल सरपंच सहित अनेक पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सिसोठ के अंकित का भारतीय वायुसेना में चयन, किया सम्मानित

महेंद्रगढ़। गांव सिसोठ के लिए गौरव का क्षण तब आया जब गांव के किसान एवं पूर्व पंच जगदीश प्रसाद के पौत्र तथा अजीत कुमार के सुपुत्र अंकित का भारतीय वायुसेना में चयन हुआ। अंकित किसान परिवार से हैं और अपने परिवार में सरकारी सेवा में जाने वाले पहले सदस्य बने हैं। इस उपलब्धि पर रविवार को ग्राम पंचायत सिसोठ एवं मिशन जन सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सरपंच विरेन्द्र कुमार, मिशन जन सेवा समिति अध्यक्ष मुकेश चौहान एवं सदस्य दीपक राव, पंच सोमवीर, सीताराम सहित गांव के गणमान्य नागरिकों ने अंकित को स्मृति चिन्ह व पौधा भेंटकर सम्मानित किया। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधा भेंट करना कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा। इस अवसर पर पूर्व चेयरमैन सूरत सिंह, प्रधान शमशेर सिंह, कृष्ण चेयरमैन, स्वास्थ्य निरीक्षक रणबीर, सूबेदार मेजर सतबीर सिंह, धीरपाल फौजी, कवर सिंह यादव, पूर्व पंच सुभाष, स्टेशन मास्टर सरजीत, राजेश ठेकेदार, श्रीपाल, रविन्द्र, प्रधान सुजान मालडा, निहाल सिंह, थानेदार धीरेपाल, मुकेश कुमार व मा. नित्यानंद सहित अनेक गणमान्य लोगों ने अंकित को फूलमाला पहनाकर आशीर्वाद दिया।

पुरानी कचहरी डाकघर में आज लगेगा विशेष आधार कैंप

- डाक विभाग की पहल, सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक मिलेगा लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

आमजन को आधार संबंधी सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से डाक विभाग की ओर से शहर के कचहरी परिसर स्थित पोस्ट ऑफिस में विशेष आधार नामांकन एवं अपडेशन कैंप का आयोजन किया जाएगा। कैंप सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक संचालित रहेगा, जहां नागरिक आधार से जुड़ी विभिन्न सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे।

मुख्य डाकघर के पोस्टमास्टर ब्रह्मप्रकाश यादव के अनुसार कैंप में नवजात एवं बच्चों से लेकर वयस्कों तक के नए आधार नामांकन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। नवजात शिशु से पांच वर्ष व पांच वर्ष से अधिक आयु के बच्चों और वयस्कों का नया आधार नामांकन निःशुल्क किया जाएगा। इसके अलावा आधार कार्ड में नाम, पता, जन्मतिथि, मोबाइल नंबर, ई-मेल, फोटो एवं बायोमेट्रिक विवरण अपडेट कराने की सुविधा भी मिलेगी। जिन आधार कार्डों को बने 10 वर्ष या उससे अधिक समय हो चुका है, उनके दस्तावेज अपडेट कराने की व्यवस्था भी कैंप में की गई है। डाक विभाग ने बताया कि पांच वर्ष एवं 15 वर्ष की आयु पूरी करने वाले बच्चों के लिए अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट भी निःशुल्क किया जाएगा। विभाग ने नागरिकों से निर्धारित दस्तावेजों के साथ कैंप में पहुंच कर सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की है।

ये दस्तावेज साथ लाना जरूरी

पहचान प्रमाण के लिए : आधार कार्ड , वोटर आईडी, पैन कार्ड, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस,
पता प्रमाण के लिए : बिजली बिल, बैंक पासबुक, राशन कार्ड, किरायानामा, जन्मतिथि **प्रमाण के लिए :** जन्म प्रमाण पत्र, 10वीं की मार्कशीट पासपोर्ट
बच्चों के लिए : जन्म प्रमाण पत्र, माता-पिता का आधार कार्ड अनिवार्य

बीआर स्कूल में विश्व योग दिवस एवं फादर्स डे मनाया

- विद्यार्थियों ने विश्व योग दिवस में बढ़-चढ़कर भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

बीआर स्कूल सेहलंग में रविवार को विश्व योग दिवस एवं फादर्स डे बड़े उत्साह, उमंग एवं रचनात्मक गतिविधियों के साथ मनाया गया। विद्यालय प्रशासन के आह्वान पर विद्यार्थियों ने अपने-अपने घरों पर योगाभ्यास कर विश्व योग दिवस में बढ़-चढ़कर भाग लिया। विद्यार्थियों ने विभिन्न योगासन कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। विद्यालय द्वारा आयोजित ऑनलाइन गतिविधि में विद्यार्थियों ने ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, वज्रासन, प्राणायाम सहित अनेक योग क्रियाओं का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर फादर्स डे के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों ने अपने पिता को समर्पित सुंदर पेंटिंग, भावपूर्ण कविताएं एवं आकर्षक ग्रीटिंग कार्ड तैयार किए। प्रिंसिपल ज्योति भारद्वाज ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं बल्कि स्वस्थ जीवन का आधार है। चेयरमैन हरिश भारद्वाज ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

समारोह

सात जून को प्रधान व उपप्रधान ने ली थी शपथ, महासचिव, कोषाध्यक्ष व सचिव रहे थे गैरहाजिर

महासचिव, कोषाध्यक्ष व सचिव ने ली शपथ, समाजहित में कार्य करने का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

- सैनी सभा की कार्यकारिणी का दूसरा शपथ ग्रहण समारोह

शहर की सबसे बड़ी सामाजिक संस्था सैनी सभा की कार्यकारिणी का दूसरा शपथ ग्रहण समारोह रविवार शाम को सैनी धर्मशाला में हुआ। पहले शपथ ग्रहण समारोह में गैरहाजिर रहने वाले महासचिव जयसिंह सैनी, कोषाध्यक्ष कमल सैनी व सचिव मनीष सैनी को इस दूसरे शपथ ग्रहण समारोह में शपथ दिलाई गई। इस दौरान हरियाणा महिला आयोग की सदस्या भारती सैनी व नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी की उपस्थिति भी अतिथि के तौर पर रही।

आपको बताते चलें कि सात जून को पहला शपथ ग्रहण समारोह था। उसमें प्रधान हरिश सैनी एडवोकेट व उपप्रधान अरूण सैनी ने शपथ ली थी। इस समारोह में महासचिव, कोषाध्यक्ष व सचिव पद के लिए चुने गए पदाधिकारी नहीं पहुंचे थे। इस दौरान प्रधान ने शपथ लेने के बाद कार्यकारिणी के 16 सदस्यों के नाम की घोषणा की। इसके बाद चुनाव अधिकारी संदीप सैनी एडवोकेट ने इन कार्यकारिणी सदस्यों को भी शपथ दिलाई थी। समारोह के बाद गैरहाजिर रहने वाले तीनों पदाधिकारियों को लेकर चर्चाएं शुरू हुई। जागरूक लोगों ने यह तर्क भी दिया कि गैरहाजिर रहे पदाधिकारियों को दोबारा शपथ दिलाने की परिपाटी ना डाली जाए तो समाज के अन्य जागरूक लोगों ने तर्क दिया कि सभा संविधान में यह कहीं नहीं लिखा कि दोबारा शपथ ग्रहण समारोह नहीं हो सकता। इसी तर्क वितर्क के बीच 14 दिन बीत गए। दो पक्ष हो जाने की वजह से दोनों तरफ से शपथ ग्रहण समारोह होने या नहीं होने का अंदरूनी खेल चला। आखिरकार चुनाव अधिकारी ने समाजहित व संविधान को ध्यान में रखते हुए रविवार को दोबारा शपथ ग्रहण समारोह रखा और तीनों पदाधिकारी महासचिव जयसिंह सैनी, कोषाध्यक्ष कमल सैनी व सचिव मनीष सैनी को शपथ दिलाई गई।

नारनौल। शपथ लेते नवनिर्वाचित महासचिव, कोषाध्यक्ष व सचिव फोटो : हरिभूमि

- बैनर से फोटो वाली जगह को काट दिया

प्रधान व उपप्रधान की मौजूदगी से गया सकारात्मक संदेश

दूसरा शपथ ग्रहण समारोह के खर्चे को लेकर चर्चा आम रही। चर्चा यह भी रही कि शपथ ग्रहण समारोह के लिए तैयार किए गए बैनर में प्रधान व उपप्रधान सहित महासचिव, कोषाध्यक्ष व सचिव की फोटो लगाई गई थी। विरोधाभास होने की वजह से बैनर से फोटो वाली जगह को काट दिया गया। मतलब आधा बैनर ही चस्पाया गया। प्रधान हरिश सैनी एडवोकेट व उपप्रधान अरूण सैनी दोनों समारोह में पहुंचे। उनके पहुंचने से समारोह और समाज में सकारात्मक संदेश गया और वहां बैठे लोग इस बात की सराहना करते दिखे। समारोह के अंत में सभी पांचों पदाधिकारियों ने एक दूसरे को पगड़ी पहना एकजुटता से समाजहित में कार्य करने का संदेश दिया।

ये रहे मौजूद

समारोह में पूर्व प्रधान मोहरसिंह सैनी, पूर्व प्रधान भगवानदास सैनी सहित अनेक कॉलेजियम सदस्य और समाज के अनेक लोग मौजूद रहे।

भिवानी का सितारा स्मारक

हरियाणा के भिवानी जिले में सितारा स्मारक एक प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थल है। बताया जाता है कि यह 5वें राधास्वामी गुरु, परम संत ताराचंदजी महाराज की समाधि है, जिन्हें 'बड़े महाराज जी' के नाम से भी जाना जाता है। यह स्मारक एक षट्कोणीय संरचना है जो ज़मीन से 6 फीट की ऊँचाई पर तारे के आकार में बनी है और इसकी ऊँचाई 88 फीट है। यह स्मारक किसी खंभे या स्तंभ के बिना खड़ा है, जो इसे वास्तुकला का एक अद्भुत नमूना बनाता है।

हरिभूमि
रोहतक, सोमवार, 22 जून 2026

अनमोल विरासत है बाबू बालमुकुंद गुप्त की जन्मस्थली गुड़ियानी

अपनी प्राचीन कलात्मक कारीगरी के लिए प्रसिद्ध गुड़ियानी को यदि हवेलियों का गांव कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। गुड़ियानी के हर पान्ने में पांच-सात ऐसी हवेलियां आज भी मौजूद हैं, जिनकी वास्तुकला अनूठी है।

महिमा

सत्यवीर नाहड़िया

कलम के माध्यम से नवजागरण, राष्ट्रीयता एवं आजादी की अलख जगाने वाले यशस्वी साहित्यकार एवं मूर्धन्य पत्रकार स्व. बाबू बालमुकुंद गुप्त की जन्मस्थली गांव गुड़ियानी (रेवाड़ी) अपने आंचल में राष्ट्रीय एकता, साम्प्रदायिक सौहार्द तथा सांस्कृतिक चेतना की अनूठी स्मृतियां सहेजे है। यही कारण है कि आज गुप्तजी की यह पावनस्थली देश व प्रदेश में अनमोल विरासत के रूप में देखी जाती है।

आज भले ही भारतेंदु युग के सेनापति कहे जाने वाले हिंदी परिष्कारक गुप्त को यह नश्वर देह त्यागे एक सदी बीत चुकी है, फिर भी गुड़ियानी स्थित हवेलियों, पाठशालाओं, मंदिरों, मस्जिदों, बाजारों, छतरियों, कुओं, खेत-खलिहानों तथा बाग-बगीचों को देखकर लगता है कि वे यहीं कहीं मौजूद हैं। पत्रकारिता, साहित्य तथा सांस्कृतिक चेतना के क्षेत्र में उनकी लेखनी वर्तमान परिवेश में और अधिक प्रासंगिक हो चली है, जिसके चलते गुड़ियानी एक साहित्यिक ग्राम के रूप में लब्धप्रतिष्ठ होकर गुप्त जी के बहुआयामी व्यक्तित्व एवं कृतित्व को अनायास याद दिलाता प्रतीत होता है, जहां उनकी पैतृक हवेली किसी साहित्यिक तीर्थ से काम नहीं है। हरियाणा प्रांत के रेवाड़ी जिले में कोसली उपमंडल तथा नाहड़ विकास खण्ड के गांव गुड़यिनी में सन् 1865 में जन्मे बाबूजी की जन्मस्थली को सांस्कृतिक धरोहर कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी,जो अपने आंचल में आज भी उनकी पावन स्मृतियां सहेजे है। बेरों, घोड़ों, हवेलियों तथा वैद्यों के लिए प्राचीनकाल से विख्यात गांव गुड़ियानी नई पीढ़ी के लिए अनमोल विरासत है। यह पहलू गुड़ियानी के बारे में प्रचलित एक प्राचीन कहावत में भी देखने को मिलता है-

चहार चीज अज तोहफा-ए-गुड़ियानी।
बेर, सौदागर, घोड़े, कोठी का पानी।।

कहते हैं कि जहां आजादी प्राप्ति से पूर्व गुड़ियानी में बेरों के सौ बाग थे, वहीं यह पहलू आज भी कम दिलचस्प नहीं है कि क्षेत्र में बेरों की बिक्री गुड़यिनी के बेर कहकर की जाती है। यह उल्लेखनीय पहलू भी कम महत्व नहीं रखता कि प्रथम विश्वयुद्ध में अंग्रेजी सेना को लगभग पचास फीसदी घोड़े इस क्षेत्र के पठानों ने मुहैया करवाए थे, जिनका केन्द्र गुड़ियानी था। गुड़ियानी के नामकरण के संदर्भ में अनेक मत प्रचलित हैं, जिनमें दो उल्लेखनीय हैं। पहला यह है कि करीब छह सौ साल पहले गजनी से आकर मसहखां नामक पठान ने यह गांव बसाया था,जिसकी प्रजाति गौरियानी थी। वस्तुतः इसका गाम गौरियानी रखा गया, जो कालचक्की में पिसते-पिसते गुड़ियानी हो गया। एक अन्य प्रचलित मत के मुताबिक इस गांव को गुड़िया नामक राजपूत ने करीब छह सौ साल पहले बसाया था। इसके अलावा सन् 1350 ई. में दिल्ली से आए तोमर गोत्रीय जाट द्वारा बसाए जाने का संदर्भ भी आता है। इनमें से मसहखां प्रकरण ज्यादा प्रामाणिक है क्योंकि मसहखां, मुरशेदखां तथा वयातखां नामक तीन सगे भाइयों द्वारा बसाये गए क्रमशः गुड़ियानी, जखाला व भूरियावास गांव साथ-साथ लगते हैं तथा इन तीन भाइयों की औलाद द्वारा बसाये गए रसूलपुर, शादीपुर, मुंदड़ा, मलेशियावास नामक गांव भी गुड़ियानी क्षेत्र के अंतर्गत ही आते हैं।

गुड़ियानी में जन्मे एक बालक ने अंग्रेजीकाल में साहित्य एवं पत्रकारिता में अपनी कलम से आजादी की अलख जगायी। राष्ट्रीयता, सांस्कृतिक व भाषायी अलख के प्रणेता बाबू बालमुकुंद गुप्त का जन्म एवं आरंभिक पढ़ाई इसी गांव में हुई तथा विषम व विकट प्रस्तुतियों में सियालकोट से होडल तक फैले महापंजाब की पांचवीं कक्षा में अव्वल रहकर गुड़ियानी गांव, गुरुजनों व माता-पिता का नाम रोशन किया। पत्रकारिता एवं साहित्य के क्षेत्र में इसी बालक ने अपनी कलम का लोहा मनवा कर आजादी की अनूठी अलख जगाई तथा पत्रकारिता क्षेत्र में नए मानदण्ड स्थापित किए।

गुड़ियानी क्षेत्र अपने वैद्यों के लिए भी जाना जाता है। प्राचीनकाल का प्रमुख व्यापारिक केन्द्र रहा यह गांव अब कोसली विधानसभा तथा रोहतक लोकसभा क्षेत्र का भाग है। इस गांव को गुप्त की 100वीं पुण्यतिथि के अवसर पर प्रदेश सरकार ने उनके नाम पर आदर्श गांव घोषित कर, उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दी थी। फिर गांव के सरकारी स्कूल का नामकरण उनके नाम से किया गया। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर,रेवाड़ी में उनके नाम से पीठ तथा हरियाणा साहित्य अकादमी भवन, पंचकूला में उनकी प्रतिमा स्थापित की गई। उनके नाम से अकादमी पुरस्कार प्रारंभ किए गए, जो आज भी दिए जा रहे हैं। ये सब कार्य पिछले 30 वर्षों में हुए हैं तथा अभी बहुत कुछ होना शेष है।

करीब पांच हजार वोटों वाले इस गांव में 17 वार्ड हैं। बढ़ेरा, तिहाग, कालेवाड़ा, बहादरवाड़ा, नामक पान्नों में बंटा गांव गुड़ियानी मुख्यतः दलित बाहुल गांव है, जिसमें अहीर, कुम्हार, वैश्य, माली, बाल्मीकि, खटीक, मीणा, ब्राह्मणों आदि जातियों के लोग भी काफी संख्या में है। गांव के अलावा ढाणियों में भी बड़ी संख्या में लोग रहते हैं।

अपनी प्राचीन कलात्मक कारीगरी के लिए प्रसिद्ध गुड़ियानी को यदि हवेलियों का गांव कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। गुड़ियानी के हर पान्ने में पांच-सात ऐसी हवेलियां आज भी मौजूद हैं, जिनकी वास्तुकला अनूठी है। भले ही अधिकांश हवेलियां आज खण्डहर हो चुकी हैं, फिर भी उनकी कलात्मकता एवं निर्माणशैली अनायास आकर्षित करती है। इन हवेलियों के बीच दो हवेलियां हिंदी नवजागरण के पुरोधा गुप्त की अनमोल स्मृतियों की मूक साक्षी रही हैं। ये दोनों हवेलियां आसपास हैं, जिनमें से वह हवेली जिसमें गुप्तजी का जन्म हुआ था, आज पूरी तरह जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं, किंतु दूसरी हवेली जिसका निर्माण स्वयं गुप्तजी ने करवाया था, आज भी अपनी विराटता व कलात्मकता के अलावा गुप्तजी की अनमोल यादों को सहेजे हुए है। यह हवेली उनके निधन के बाद कई दशकों तक बंद रही, जिसके चलते इसमें रखी उनकी अमूल्य निधियां धूल, दीमक की भेंट चढ़ गई। कभी लंबे अरसे तक बंदरों व कबूतरों की सैरगाह रही इस हवेली में आदमकद झाड़ियां व घास की भरमार थी, किंतु अब पिछले दो दशक से यह हवेली जीर्णोद्धार के बाद विभिन्न साहित्यिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का केन्द्र बनकर उभरी है। इस दो मंजिला इमारत में आज भी गुप्तजी तथा उनके समकालीन रचनाकारों का साहित्य, भारतमित्र के दुर्लभ अंक, साहित्यिक पत्र तथा संबंधित छायाचित्र आदि रखे हुए थे, जिन्हें उनके वंशजों ने हरियाणा एवं संस्कृति अकादमी को शोध कार्यों के लिए दे दिया। पिछले दिनों प्रदेश सरकार ने इस हवेली को संरक्षित स्मारक घोषित किया है। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा साहित्य अकादमी के राज्यस्तरीय कार्यक्रम में इस हवेली में गुप्त जी का संग्रहालय स्मारक तथा ई-लाइब्रेरी खोलने की घोषणा की थी, जो अभी तक पूरी नहीं हो पाई है। इस स्मारक के संरक्षित होने की सरकारी अधिसूचना के बाद अब इस दिशा में संबंधित लंबित कार्य पूरा होने की नए सिरे से आस जगी है। क्षेत्र का प्रमुख व्यापारिक केन्द्र बन चुका गुड़ियानी साम्प्रदायिक सौहार्द की जीती-जागती मिसाल है। मंदिरों एवं मस्जिदों वाले इस गांव के हिन्दू लोग अगाध श्रद्धा से मुन्नीवाली मस्जिद में जाते हैं। मस्जिद की कलात्मक मीनारें, नक्काशी, तैलचित्र अनायास आकर्षित करते हैं। गांव के कालेवाड़ा व बढ़ेरा नामक मौहल्लों में स्थित दो ठाकुरद्वारे अपनी अनूठी निर्माणशैली व नायाब वास्तुकला के जीते-जागते नमूने हैं। गांव के विभिन्न मंदिरों में शिव मंदिर व श्याम मंदिर के अलावा अनेक प्राचीन छतरियां अपनी छाप छोड़ती हैं। साहित्यिक ग्राम में पठान संस्कृति के अवशेष रूप में अनेक खण्डहर, अस्तबल हवेलियां, ईदगाह आदि मौजूद हैं। गत कुछ दशकों से गुप्त जी को लेकर हो रहे काम से सुर्खियों में रहे गुड़ियानी गांव में स्वास्थ्य सुविधाओं तथा जल निकासी की समस्याएं हैं। गत कई वर्षों से यशस्वी साहित्यकार स्व. बाबू बालमुकुंद गुप्त के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को चिरस्थायी एवं प्रेरणापुंज बनाने के लिए प्रयासरत संस्था बाबू बालमुकुंद गुप्त पत्रकारिता एवं साहित्य संरक्षण परिषद् (पंजीकृत) के संरक्षक अधिवक्ता नरेश चौहान 'राष्ट्रपूत' का विचार है कि प्रदेश सरकार तथा केन्द्र सरकार राष्ट्रीयता के अग्रदूत गुप्त की जन्मस्थली स्थित उनकी प्राचीन हवेली को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करके ही गुड़ियानी को राष्ट्रीय मानचित्र पर विशेष पहचान दे सकती हैं। गुड़ियानी की निकटवर्ती पहाड़ी भी अपने आंचल में शहीदों की मार्मिक दास्तान सहेजे है।

इस दो मंजिला इमारत में आज तक भी गुप्तजी तथा उनके समकालीन रचनाकारों का साहित्य, भारतमित्र के दुर्लभ अंक, साहित्यिक पत्र तथा संबंधित छायाचित्र आदि रखे हुए थे, जिन्हें उनके वंशजों ने हरियाणा एवं संस्कृति अकादमी को शोध कार्यों के लिए दे दिया।

प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम के दौरान अंग्रेजों ने आजादी की गुहार करने वाले 114 रणबांकुरों को इसी पहाड़ी पर फांसी दी थी। इतिहास के अनूठे पृष्ठों को अपने आंचल में सहेजे गांव गुड़ियानी ने अनेक उतार चढ़ाव देखे हैं तथा मुगलों व अंग्रेजों के समय में अपनी वीरता एवं देशभक्ति प्रेरक इतिहास रचा है। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में गुड़ियानी के जांबाज योद्धा मोहम्मद आजमखां ने अपने प्राणों की आहूति दी थी। आज वक्त का तकाजा है कि हरियाणा प्रदेश में जहां बाबू बालमुकुंद गुप्त पत्रकारिता विश्वविद्यालय एवं शोध संस्थान आवश्यक ही नहीं अनिवार्य है, वहीं गुड़ियानी स्थित उनकी हवेली को राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा दिया जाए। देखना यह है कि राष्ट्रीयता के अग्रदूत गुप्तजी की जन्मस्थली राष्ट्रीय मानचित्र पर कब पहचान बना पाती है?

कविता — नरेन्द्र कुमार

ब्याह

चार तरहां के ब्याह हो रै,
ये दुनियादारी है।
किस ब्याह के ढंग बताऊं,
ये मुनिया प्यारी है।।

मां - बाप ढूंडै अच्छा छौरा,
काला हो या भूरा।
अनपढ़ हो या वो पढ़ा-लिखा,
भूखा हो या बहोरा ।।
ऐसी सामाजिक शादी करना,
अच्छी समझदारी है।
चार तरहां के ब्याह हो रै....

नयनों से जिनके नयन मिले,
मिले नहीं जिनकी शक्ल।
वे घर से भाग गए जो कमशल,
उनकी मारी गई अक्ल।।
भगौड़ा ब्याह करने वालो,
मां से गद्दारी है।
चार तरहां के ब्याह हो रै....

पढ़ लिखकर रोजगार लिया,
कोई साथी आन मिला।
तन,मन, धन, कुटुम्ब मिला,
मां - बाप को मान दिला।।
ऐसा प्रेम विवाह करना,
इसमें ना हलवारी है।
चार तरहां के ब्याह हो रै....

मन करता तब तक संग रहते,
मन भरता छोड़ देते।
मन करता तब चूड़ी पहन लेते,
मन करता फोड़ देते।।
मन मर्जी के ब्याह के भी,
भारे व्यापारी हैं।।
चार तरहां के ब्याह हो रै....

रागनी — मनोज वशिष्ठ

प्रकृति का न्याय, मानस का लालच

मानस क्यूं भूल्या मर्यादा, तैने अति का जाल बिछाया रे।
यो जुल्म कमावै कुदरत पै, क्यूं भूल गया तेरी काया रे।।

ईश का बास है जर्रे-जर्रे में, ऋषि-मुनियां ने समझाया था। त्याग भाव तै भोग करो, वेदों ने ज्ञान सिखाया था।।
तैने कंक्रीट के जंगल चुन लिए, यो के अंधेर कमाया रे।
मानस क्यूं भूल्या मर्यादा, तैने अति का जाल बिछाया रे।।

नदियां का पानी जहर कर दिया, हवा में घोल दिया गाद रे।
जेठ की दुपहरी झुलसण लागी, बद्ल्या मौसम का मिजाज रे।।
टीले पिघलें कंचन बरफ के, तैने खुद का काल बुलाया रे।
मानस क्यूं भूल्या मर्यादा, तैने अति का जाल बिछाया रे।।

चौपाल की वो ठंडी छौंया, मटके का पानी भूल गया।
सादगी छोड़ के मानस, दिखावे की आंधी में झूल गया।।
सुघड़ कमंडल, नीम की छौंया, सारा वैभव तैने गंवाया रे।
मानस क्यूं भूल्या मर्यादा, तैने अति का जाल बिछाया रे।।

'एक पेड़ मां के नाम' लगा ले, इब भी सम्भलण का मौका सै।
प्रकृति के धौरे सब की खातर, लालच की खातर चौका सै।।
'वशिष्ठ' कहे सुण प्रबुद्ध मानस, क्यूं खुद पै कहर ढाया रे।
मानस क्यूं भूल्या मर्यादा, तैने अति का जाल बिछाया रे।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

आमटी तालाब

पुराने अभिलेखों और लोकश्रुतियों में इसे अमृति तालाब के नाम से भी जाना जाता है

स्मृतियों में जीवित एक राजकुमारी की अमर गाथा

धरोहर

डॉ. सत्यवान सौरभ

हरियाणा के ऐतिहासिक नगर हांसी की पहचान केवल उसके विशाल किले, प्राचीन स्थापत्य और राजनीतिक इतिहास से नहीं बनती, बल्कि उन लोककथाओं से भी है जो पीढ़ियों से लोगों की स्मृतियों में जीवित हैं। ऐसी ही एक मार्मिक कथा है आमटी तालाब की, जिसे पुराने अभिलेखों और लोकश्रुतियों में अमृति तालाब के नाम से भी जाना जाता है। यह तालाब केवल जल का स्रोत नहीं, बल्कि एक ऐसी राजकुमारी की स्मृति का प्रतीक है जिसने अपने सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा के लिए जीवन का बलिदान दे दिया। हांसी का इतिहास अत्यंत प्राचीन माना जाता है। अनेक राजवंशों और शासकों ने यहां शासन किया।

मध्यकाल में यह नगर सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण था। इसी कालखंड से जुड़ी एक लोकगाथा आज भी क्षेत्र के बुजुर्गों की स्मृतियों में जीवित है। लोकविश्वास के अनुसार हांसी पर शासन करने वाले राजा श्रीपाल की पुत्री अमृति अपनी सुंदरता, साहस और आत्मसम्मान के लिए प्रसिद्ध थीं। कहा जाता है कि विदेशी आक्रमणों और राजनीतिक उथल-पुथल के दौर में जब राज्य पर संकट आया तो राजकुमारी अमृति को भी अपमान और बंदी बनने का खतरा उत्पन्न हो गया। उस

समय भारतीय समाज में सम्मान और आत्मगौरव को सर्वोच्च मूल्य माना जाता था। लोककथा के अनुसार अमृति ने परिस्थितियों के सामने झुकने के बजाय एक कठिन निर्णय लिया। उन्होंने नगर के निकट स्थित एक विशाल जलाशय में कूदकर अपने प्राण त्याग दिए। यह घटना नगरवासियों के मन पर इतनी गहरी छाप छोड़ गई कि उस जलाशय को राजकुमारी की स्मृति में अमृति तालाब कहा जाने लगा। समय के साथ स्थानीय बोली और उच्चारण में परिवर्तन हुआ और अमृति शब्द धीरे-धीरे "आमटी" में परिवर्तित हो गया। आज भी अनेक लोग इस जलाशय को आमटी तालाब के नाम से जानते हैं। इतिहासकारों का मानना है कि भारत के विभिन्न क्षेत्रों में ऐसी अनेक लोककथाएं प्रचलित रही हैं जिनमें महिलाओं के साहस और आत्मसम्मान को विशेष महत्व दिया गया है। हालांकि इन कथाओं के सभी विवरणों का लिखित प्रमाण उपलब्ध नहीं है, फिर भी लोकस्मृति में उनका स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। आमटी तालाब की कथा भी इसी परंपरा का हिस्सा है। यह केवल एक व्यक्ति की कहानी नहीं, बल्कि उस सामाजिक चेतना का प्रतीक है जिसमें सम्मान और स्वाभिमान को जीवन से भी अधिक मूल्यवान माना जाता था। हांसी का ऐतिहासिक किला इस कथा का मौन साक्षी प्रतीत होता है। लगभग एक हजार वर्ष पुराने इस किले ने अनेक युद्ध, राजनीतिक परिवर्तन और सांस्कृतिक उतार-चढ़ाव देखे हैं। किले की प्राचीरों और उसके आसपास के क्षेत्र में फैली लोककथाएं आज भी इतिहास और कल्पना के अद्भुत संगम का अनुभव कराती हैं। आमटी तालाब की कहानी भी इसी ऐतिहासिक परिवेश में विकसित हुई। लोकसाहित्य के दृष्टिकोण से देखें तो आमटी तालाब की कथा केवल अतीत का वर्णन नहीं करती, बल्कि समाज के मूल्यों को भी अभिव्यक्त करती है। हरियाणा की लोकसंस्कृति में वीरता, त्याग, आत्मसम्मान और सामुदायिक स्मृति का विशेष महत्व रहा है। यही कारण है कि सदियों बीत जाने के बाद भी यह कथा लोगों की जुबान पर बनी हुई है। आज जब आधुनिकता के प्रभाव में अनेक ऐतिहासिक स्थल और लोककथाएं विस्मृति के अंधकार में खोती जा रही हैं, तब आमटी तालाब जैसी स्मृतियां सांस्कृतिक संरक्षण की आवश्यकता का संदेश देती हैं। यदि इन स्थलों का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण किया जाए, उनकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर शोध हो और स्थानीय समुदाय की सहभागिता से उन्हें संरक्षित किया जाए, तो आने वाली पीढ़ियां अपनी जड़ों से जुड़ी रह सकेंगी।

पर्यटन की दृष्टि से भी आमटी तालाब और उससे जुड़ी कथा महत्वपूर्ण हो सकती है। हांसी आने वाले पर्यटक केवल किला ही नहीं, बल्कि उस लोकइतिहास को भी जानना चाहते हैं जो इस नगर की आत्मा में बसता है। राजकुमारी अमृति की कथा, हांसी के प्राचीन किले और नगर की ऐतिहासिक विरासत को जोड़कर एक समृद्ध सांस्कृतिक पर्यटन परिपथ विकसित किया जा सकता है। आमटी तालाब की कहानी हमें यह भी सिखाती है कि इतिहास केवल राजाओं और युद्धों का विवरण नहीं होता। इतिहास उन लोगों की स्मृतियों में भी जीवित रहता है, जिन्होंने अपने जीवन से समाज को प्रेरणा दी। राजकुमारी अमृति की लोकगाथा चाहे इतिहास और किंवदंती के बीच कहीं स्थित हो, लेकिन वह हांसी की सांस्कृतिक पहचान का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। आज भी जब हांसी की पुरानी गलियों, किले की दीवारों और ऐतिहासिक स्थलों का उल्लेख होता है, तब आमटी तालाब का नाम सम्मान के साथ लिया जाता है। यह तालाब केवल एक जलाशय नहीं, बल्कि स्मृति, साहस और लोकविश्वास का वह दर्पण है जिसमें हांसी का अतीत आज भी प्रतिबिंबित होता दिखाई देता है।

यदि इन स्थलों का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण किया जाए, उनकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर शोध हो और स्थानीय समुदाय की सहभागिता से उन्हें संरक्षित किया जाए, तो आने वाली पीढ़ियां अपनी जड़ों से जुड़ी रह सकेंगी।

ग्लैमर नहीं किरदार के पीछे भागो : नैना

कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

हरियाणा के शेक्सपियर एवं सूर्यकवि पंडित लखमीचंद के व्यक्तित्व और कृतित्व से कौन परिचित नहीं है। पूरे विश्व में उनकी चर्चाएं होती है उन पर शोध कार्य हो रहे हैं। आज आपको उनकी प्रपौत्र वधू नैना से रूबरू करवा रहे हैं, जो इस गौरवशाली लोक-साहित्यिक विरासत को आगे बढ़ाने वाले परिवार का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। नैना ने दादा लखमीचंद यूनिवर्सिटी से स्नातक किया है और रंगमंच उनकी पहली मोहब्बत है। उन्होंने 'नचार', 'फांस', 'हाथ रुपया' और 'परिणीता' जैसी चर्चित फिल्मों में उल्लेखनीय कार्य किया है, जबकि 'फांस' के लिए उन्हें बेस्ट एक्टिंग अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा 'फांसले', 'छाया', 'मौत', 'निर्णय', 'यादें', 'उधेड़बुन' और 'दरार' जैसी शॉर्ट फिल्मों में भी उन्होंने अपने अभिनय की छाप छोड़ी है। मंच नाटकों, नुक्कड़ नाटकों और हरियाणवी फिल्मों के साथ-साथ उन्होंने सुपवा के प्रोजेक्ट्स से भी महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त किया है। उनके आगामी प्रोजेक्ट्स में एक हरियाणवी फीचर फिल्म और पंडित लखमीचंद की विरासत पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री शामिल है।

नैना बताती हैं कि दादा लखमीचंद के प्रपौत्र चेतन कौशिक से विवाह के बाद जब वह इस परिवार की बहू बनी तो लगा जैसे माटी की खुशबू से रिश्ता जुड़ गया। स्वयं उनके शब्दों में -'ये परिवार सिर्फ घर नहीं, हरियाणा की लोक संस्कृति का जीता-

जागता स्कूल है। दादा लखमीचंद का नाम हर सांस में बसता है यहां। ऐसे परिवार का हिस्सा बनना मेरे लिए सौभाग्य से बढ़कर गौरव की बात है। आधुनिकता और तकनीक के बढ़ते प्रभाव के कारण क्या सांग जैसी समृद्ध लोक परंपराएँ धीरे-धीरे हाशिए पर जा रही हैं? क्या वर्तमान पीढ़ी इन्हें अपेक्षित महत्व नहीं दे रही? जैसे महत्वपूर्ण प्रश्न पर नैना बताती हैं कि तकनीक दुश्मन नहीं, सवारी है। हां, भीड़ रील्स की तरफ भाग रही है, पर असली बात में आज भी दम है। हम सांग को हाशिए पर नहीं जाने देंगे। बस उसे मोबाइल के साइज में ढालना है। युवा जुड़ेगा, गारंटी है। हरियाणा के अनेक लोक कलाकारों के परिजन आज अपनी सांस्कृतिक विरासत को बचाने के लिए संघर्षरत हैं। साथ ही वे सरकारी सहयोग और अनुदान के अभाव में उपेक्षित भी महसूस करते हैं। नैना को इन लोक कलाकारों के संघर्ष पर दर्द होता है, जब देखते हैं कि जो संस्कृति बचाते हैं, वो खुद मुश्किल में हैं। सरकारी सहयोग मिलना चाहिए, पर उससे पहले युवा समाज को जागना होगा। बुजुर्गों ने तो बहुत साथ दिया, अब बारी हमारी है। जब तक हम अपनी लोक कलाओं को सम्मान नहीं देंगे, तब तक कलाकार का हौसला भी टूटेगा और संस्कृति भी। हमें मिलकर इस विरासत को बचाना है। नैना के अनुसार सांग की परंपरा में पुरुष कलाकारों द्वारा महिला पात्रों की भूमिका निभाने की विशेष परंपरा रही है। ये परंपरा मजबूरी नहीं, कला थी। उस दौर के हिसाब से ठीक थी। आज महिलाएं खुद मंच पर आ रही हैं, ये सबसे बड़ा बदलाव है। परंपरा की इज्जत करते हुए नए दौर को भी गले लगाना चाहिए। दोनों साथ चल सकते हैं। लोकनाट्य और सांग को आज के दर्शकों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए भाषा को सरल बनाना और क्लिष्ट शब्दों को हटाना जरूरी है। साथ ही, लगभग डेढ़ घंटे के पावर-पैक सांग तैयार किए जाएं, ताकि दर्शकों की रुचि बनी रहे। उनका मानना है कि सांग को कॉलेज फेस्ट और कॉर्पोरेट कार्यक्रमों तक ले जाना चाहिए। इससे सांग पर लगा 'ओल्ड' का टैग हटेगा और वह 'गोल्ड' के रूप में स्थापित होगा। नैना के लिए रंगमंच उनकी रूह है। साथ में स्क्रिप्ट लेखन, डायरेक्शन में भी वह हाथ आजमा रही हैं। कैमरे के सामने अभिनय का अपना मज़ा है। कोशिश यही है कि हर कहानी में हरियाणा की माटी बोलती दिखे। व्यक्तिगत तौर पर एक फिल्म डायरेक्ट करना चाहती हैं जो पूरी दुनिया को हरियाणवी कल्चर दिखाए। दादा लखमी की विरासत के लिए एक डिजिटल आर्काइव भी बनाने पर विचार है, जहां उनकी सारी रचनाएं, ऑडियो, वीडियो एक क्लिक पर मिलें। नैना अभिनय के साथ फिल्म मेकिंग से भी जुड़ी रही हैं और डायरेक्टर-प्रोड्यूसर रही हैं। उनका मानना है कि हरियाणा में फिल्म निर्माण के क्षेत्र में महिलाएं कम हैं। रास्ता मुश्किल था, 'लुगाई के बस की बात ना' खूब सुना। पर जब कैमरा ऑन होता है तो जेंडर नहीं, विज़न चलता है। हरियाणा की महिलाएं अब डायरेक्शन, प्रोडक्शन में आ रही हैं। हरियाणवी सिनेमा और उसके कलाकारों ने गत वर्ष से बहुत तरक्की की है। बहुत से लोग बॉलीवुड में भी अपना परचम लहरा रहे हैं। वह हरियाणवी सिनेमा का भविष्य सुनहरा मानती हैं । अब हमारे हरियाणा में भी एक सिनेमा की शुरुआत हो चुकी है।, नैना सुपवा के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए बताती हैं कि सुपवा मतलब अनुशासन और आज़ादी का संगम। वहां सीखा कि कला में रियाज़ और रिसर्च दोनों जरूरी हैं। सुपवा ने मुझे कलाकार से कर्मयोगी बनाया। रंगमंच और कैमरे के सामने अभिनय करने में नैना का मानना है कि रंगमंच वन टेक मैच है - तालियां तुरंत, गलती की माफी नहीं।

कैमरा टेस्ट सीरीज है - रीटेक है, पर इमोशन एक बार में पकड़ना है। मंच दिल देता है, कैमरा बारीकी सिखाता है। दोनों जरूरी हैं। नए कलाकारों के लिए उनका संदेश है कि ग्लैमर के पीछे मत भागो, किरदार के पीछे भागो। रियाज़ छोड़ोगे तो बाजार छोड़ देगा। हरियाणवी में सोचो, हरियाणवी में जियो, फिर देखना दुनिया तुम्हारी बोली बोलेगी और हां, दादा लखमीचंद की बातों का अनुसरण करो ,रास्ता खुद मिल जाएगा।

हरियाणा में फिल्म निर्माण के क्षेत्र में महिलाएं कम हैं। रास्ता मुश्किल था, 'लुगाई के बस की बात ना' खूब सुना। पर जब कैमरा ऑन होता है तो जेंडर नहीं, विज़न चलता है। हरियाणा की महिलाएं अब फिल्म डायरेक्शन, प्रोडक्शन में आ रही हैं। हरियाणवी सिनेमा और उसके कलाकारों ने गत वर्ष से बहुत तरक्की की है। बहुत से लोग बॉलीवुड में भी अपना परचम लहरा रहे हैं।

खबर संक्षेप

योग से भारत को विश्व स्तर पर मिली नई पहचानः सीईओ

महेंद्रगढ़। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को स्थानीय चौ. रणबीर सिंह हुड्डा पार्क में आयोजित कार्यक्रम में जिला परिषद के सीईओ निर्मल नागर ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तहसीलदार अजय कुमार ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

योग शिविर का समापन आज

नारनौल। जय जितेंद्र सेवा समिति एवं आरोग्यम वैलनेस केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित पांच दिवसीय योग शिविर हुडा सेक्टर चमत्कारी बालाजी मंदिर के पास सफलतापूर्वक आयोजित किया जा रहा है। पतंजलि भारत स्वाभिमान योग समिति के जिला प्रभारी डॉ. नितिन योगाचार्य प्रतिदिन प्रातः 5:30 से 6:30 बजे तक योगाभ्यास करवा रहे हैं। शिविर में ब्लडप्रेशर, शुगर, मोटापा, तनाव जैसी बीमारियों से बचाव की घरेलू औषधियों की जानकारी दी जा रही है।

विकसित भारत के सपने को साकार करने में योग का रहेगा विशेष योगदान: ओमप्रकाश

भारत ने पूरे विश्व को बताया, योग स्वस्थ जीवन की अधारशिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

पूर्व मंत्री एवं विधायक ओमप्रकाश यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने में योग का सबसे बड़ा योगदान रहेगा। योग शारीरिक स्वास्थ्य से मानसिक स्वास्थ्य का मार्ग दिखाता है। यह समाज को मजबूत बनाता है और समाज सशक्त होगा तो राष्ट्र मजबूत होगा। इसी उद्देश्य को लेकर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश के हर नागरिक को हमारी इस प्राचीन पद्धति के प्रति जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है। विधायक रविवार को सभागार में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर नागरिकों को संबोधित कर रहे थे।

इससे पहले उन्होंने बारिश के बीच आईटीआई मैदान में महर्षि पतंजलि के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने आईटीआई प्रांगण में हरित योग के संदेश को आगे बढ़ाते हुए पौधारोपण भी किया। जिला स्तरीय कार्यक्रम के दौरान नागरिकों ने सभागार में वर्चुअल माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के संबोधन को सुना। नागरिकों को संबोधित करते हुए विधायक ओमप्रकाश यादव ने कहा कि योग हमें जीवन में संतुलन बनाना सिखाता है। योग के माध्यम से भारत ने पूरे विश्व के कल्याण के विचार को आगे बढ़ाया है।उन्होंने कहा कि यह हम सबके लिए गर्व की बात है कि आज पूरा विश्व भारत की इस पद्धति को अपना रहा है। हमारी इसी प्राचीन पद्धति ने कोरोना जैसी महामारी के दौरान दुनिया को आत्मविश्वास दिया था।

नारनौल। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग क्रियाएं करते पूर्व विधायक ओमप्रकाश यादव व अन्य। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर योग सहायक अरुण कुमार ने प्रोटोकॉल के अनुसार योग क्रियाएं करवाई। मुख्य अतिथि ने सभी योग सहायकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर उपायुक्त अनुपमा अंजली, पुलिस अधीक्षक दीपक, अतिरिक्त उपायुक्त तरुण कुमार पावरिया, नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी, बीजेपी के पूर्व जिला अध्यक्ष राकेश कुमार, जेपी सैनी के अलावा अन्य गणमान्य नागरिक भी मौजूद थे। जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. शशिबाला ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया।

योग केवल एक दिन की गतिविधि नहीं, बल्कि जीवन का हिस्सा: राव

नांगल चौधरी। खंड स्तर पर अनाज मंडी में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का भव्य और गरिमापूर्ण आयोजन किया गया। आयुष विभाग एवं हरियाणा योग आयोग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। योगाभ्यास की औपचारिक शुरूआत करने से पहले मुख्य अतिथि सहित कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य नागरिकों, अधिकारियों व आम जनता ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के डिजिटल माध्यम से दिए गए लाइव संबोधन को बेहद ध्यानपूर्वक सुना। लाइव संबोधन की समाप्ति के बाद मुख्य अतिथि यतेंद्र राव ने सामूहिक योगाभ्यास सत्र में हिस्सा लिया। उन्होंने उपस्थित जनसमूह के साथ मिलकर विभिन्न योगासनों और प्राणायाम का अभ्यास किया। इसके पश्चात उपस्थित लोगों को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि योग केवल 21 जून को की जाने वाली एक दिन की गतिविधि नहीं है, बल्कि यह हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। आयुष योग नोडल अधिकारी डॉ. ललित मोहन जोशी की देखरेख में योग सहायकों ने आयुष मंत्रालय के कॉमन योग प्रोटोकॉल के तहत योग आसनों का सामूहिक अभ्यास कराया। इस मौके पर अवसर पर पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष दयाराम यादव, पूर्णचंद गोठड़ी, भाजपा नेता देवीलाल, रमेश तंवर, कर्मवीर, गगन रावत, रामसिंह सैनी, बाबा मुकुंद दास गोशाला प्रधान रमेश सैनी, नायब तहसीलदार प्रवीण कुमार, डॉ. अमित, डॉ. विनय, डॉ. करुणा, डॉ. योगेश, डॉ. रेखा सैनी, डॉ. रितेश, आयुष योग सहायिका अशोक कुमारी, योग सहायक ललित, अनिल, बेबी सोनी, सुरेंद्र सिंह, योग प्रशिक्षक पूनम, सुनीता, राकेश डिस्पेन्सर, धर्मचन्द, खाद्य आपूर्ति निरीक्षक सचिन कुमार, एसडीएम कार्यालय से उप अधीक्षक सुरेन्द्र कुमार के अलावा आमजन मौजूद थे।

कनीना। उपमंडल स्तरीय समारोह में योग करते विधायक कंवर सिंह व अन्य।

कनीना में योग युक्त नशा मुक्त हरियाणा का संकल्प लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीन

12वें उपमंडल स्तरीय अंतर राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव थे। समारोह की शुरूआत देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश के उपरांत की। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वर्चुअल माध्यम से प्रदेशवासियों को योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए योग को दैनिक जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

- **महाविद्यालय परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया**

विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश को एक नई दिशा दी है। सरकार ने इस वर्ष योग युक्त नशा मुक्त हरियाणा का एक ऐतिहासिक संकल्प लिया है। योग केवल शरीर को स्वस्थ नहीं रखता, बल्कि मन को भी नियंत्रित करता है। हमारा यह दृढ़ विश्वास है कि जब प्रदेश का युवा योग से जुड़ेगा तो उसका मन और शरीर दोनों मजबूत होंगे। आयुष विभाग के सहायक पवन, अजीत, कैलाश चंद को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने महाविद्यालय परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह अहलावत ने कहा कि योग से शरीर स्वस्थ रहता है। समारोह में आयुष योग सहायक अजीत ने निर्धारित योग प्रोटोकॉल के तहत यौगिक क्रियाएं करवाई।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर नगर पालिका चेयरपर्सन डॉ. रिंपी लोढ़ा, तहसीलदार पायल यादव, नायब तहसीलदार पौरुष पहल, बीईओ सुरेश कुमार, एचएमओ डॉ. नेहा यादव, डॉ. जितेंद्र मोरवाल, कार्यक्रम संयोजक डॉ. शशि मोरवाल, भगत सिंह, मनोज यादव, नरेश कुमार, प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार, एसईपीओ कृष्ण लाल, दीपक वशिष्ठ, सुरेश यादव, ग्राम सचिव सतीश यादव, पंचायत समिति वाइस चेयरमैन रमेश महलावत आदि मौजूद थे।

मंत्री कार्यालय में मनाया योग दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर अटेली स्थित स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के कार्यालय में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ की गई, जिससे पूरे आयोजन में सकारात्मक और ऊर्जावान वातावरण बना रहा। इस मौके पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर विभिन्न योग क्रियाओं का अभ्यास किया और नियमित रूप से योग अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षित योग शिक्षकों ने उपस्थित लोगों को प्राणायाम, अनुलोम-विलोम, कपालभाति, सूर्य नमस्कार सहित कई महत्वपूर्ण योगासन करवाए। योग प्रशिक्षकों एवं वक्ताओं ने योग के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि योग न केवल शरीर को स्वस्थ और सुदृढ़ बनाता है बल्कि मानसिक शांति और एकाग्रता भी प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि आज के तनावपूर्ण और व्यस्त जीवन में योग को अपनाना अत्यंत आवश्यक हो गया है। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री के निजी सचिव विकास यादव, नगर पालिका चेयरमैन संजय गोयल, अटेली मार्केट कमेटी चेयरमैन दिनेश जेलदार, सतीश डीएसपी, पूर्व मंडल अध्यक्ष कृष्ण शर्मा बौचड़िया, पूर्व चेयरमैन जसवंत, वाईस चेयरमैन रामकिशन जागड़ा, पूर्व चेयरमैन विकास यादव, अटेली मंडल अध्यक्ष मुकेश कुमार गनियार, मनजीत हरपाल, बीरेंद्र तथा समाजसेवी तेजप्रकाश आदि मौजूद रहे।

मंडी अटेली। कार्यालय में योगाभ्यास करते हुए। फोटो : हरिभूमि

अतरराष्ट्रीय योग दिवस पर नागरिकों ने किया अभ्यास

नारनौल। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में वरिष्ठ नागरिक संगठन की ओर से किला रोड स्थित साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम में योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों ने कपालभाति, अनुलोम-विलोम, भ्रामरी तथा बटरफ्लाई सहित विभिन्न योग क्रियाओं का अभ्यास किया। संगठन के प्रधान दुलीचंद शर्मा ने कहा कि नियमित योग करने से शरीर स्वस्थ रहता है और मन को शांति मिलती है। उन्होंने सभी वरिष्ठ नागरिकों से प्रतिदिन योग करने तथा बच्चों को भी बचपन से योग अपनाने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि करो योग, रहो निरोग का संदेश आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नारनौल की अनुशंसा पर आयोजित इस कार्यक्रम में एडवोकेट अजय पांडेय के मार्गदर्शन में संगठन के उपप्रधान विजय सिंह यादव, महासचिव मुखराम सैनी, संयुक्त सचिव शिवहरि अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सोहनलाल चौहान, कार्यकारिणी सदस्य भागीरथ प्रसाद, नरेंद्र कुमार धौलिया आदि मौजूद रहे।

सिहमा में खंड स्तरीय 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साह के साथ मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

खंड सिहमा में राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल परिसर में 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में नारनौल के एसडीएम अनिरुद्ध मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आयुष विभाग से डॉ. नितिन, डॉ. तनुज, डॉ.शक्ति सिंह विशेष रूप से मौजूद रहे। स्कूल के प्राचार्य कृष्ण कुमार ने सभी अतिथियों, कर्मचारियों, सरपंचों एवं गणमान्य नागरिकों का स्वागत एवं सम्मान किया। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग है रही। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का योग दिवस पर संदेश सुनाया गया। योगाभ्यास की शुरुआत तीन बार ओम उच्चारण एवं गायत्री मंत्र के साथ हुई। इस दौरान प्रशिक्षित योग शिक्षकों के मार्गदर्शन में ग्रीवा संचालन, कटी चालन, ताड़ासन, पादहस्तासन, कपालभाति, शीतली प्राणायाम, अनुलोम-विलोम, भ्रामरी प्राणायाम और ध्यान जैसे विभिन्न योगाभ्यास करवाए गए।

मंडी अटेली। खंड सिहमा में योग दिवस मनाते हुए।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर महंत खेतानाथ महाविद्यालय के प्राचार्य सुनील कुमार, सरपंच सुमन देवी, सरपंच प्रतिनिधि प्रमोद यादव, एबीपीओ मुकेश, सतीश स्टेनो, नवीन दीप सिंह, जितेंद्र अकाउंटेंट, रामनिवास, पूर्व पंच सुरेंद्र, मधु यादव, ललिता, पूनम, धर्मेंद्र, भीम सिंह, दिनेश कुमार, मनोज, संदीप, देवदत्त सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

न्यायिक परिसर में उत्साह से मनाया योग दिवस

नारनौल। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट तथा हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से न्यायिक परिसर में 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन बड़ी धूमधाम के साथ किया। इस विशेष योग शिविर की अध्यक्षता अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नितिन राज ने की। शिविर के दौरान योगाचार्य रीना व सोमदत्त ने उपस्थित सभी लोगों को विभिन्न योगासनों व प्राणायाम का अभ्यास कराया। उन्होंने जीवन में योग के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि कैसे नियमित योग के माध्यम से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखा जा सकता है। इस गरिमामयी अवसर पर सिविल जज सीनियर डिवीजन जतिन गुजराल, सिविल जज राकेश कुमार व जिला बार एसोसिएशन के प्रधान सन्तोष सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके साथ ही कार्यक्रम में न्यायिक परिसर के समस्त कर्मचारीगण, सम्मानित अधिवक्तागण व पैरालीगल वालंटियर्स ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया।

नांगल चौधरी में पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए आर्यव्रत सेवा न्यास ट्रस्ट, युवा साथी ग्रुप हरियाणा व उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा की टीम ने नांगल चौधरी क्षेत्र में पौधारोपण अभियान चलाया। इस दौरान श्मशान घाट, देवनारायण मंदिर, गुर्जर भवन के सामने तथा कृष्णावती नदी क्षेत्र में 50 पौधे लगाए गए। अभियान में शामिल सामाजिक कार्यकर्ताओं ने पौधारोपण के साथ-साथ उनके संरक्षण का भी संकल्प लिया। टीम ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना समय की आवश्यकता है। पौधारोपण से न केवल पर्यावरण संतुलित रहता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण भी मिलता है। इस सेवा कार्य में विनीत पिलानिया, बलबीर सैनी, योगेश सैनी, बंटी सैनी एडवोकेट, गोलू चौहान, लक्ष्य, भवानी, आशु, नितिन, रिंकू पार्षद, नरेंद्र, सत्यवीर रावत सरपंच, सुचा जांगिड़ व सतवीर सिंह सरपंच लुजोता सहित अनेक समाजसेवियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

नारनौल। पौधारोपण करते युवा। फोटो : हरिभूमि

युवाओं ने बढ़-चढ़कर किया योग

नारनौल। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर माय भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार व युवा शक्ति फाउंडेशन सेका के संयुक्त तत्वावधान में भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं, स्वयंसेवकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, मातृशक्ति, बच्चों व स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान सामूहिक योगाभ्यास व प्राणायाम सत्र आयोजित किया गया। प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासनों का अभ्यास करते हुए योग के महत्व, स्वास्थ्य लाभों व दैनिक जीवन में इसकी उपयोगिता के बारे में जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में समाज के सच्चे प्रहरी एवं गोरक्षा के प्रति सदैव समर्पित प्रमुख समाजसेवी सुधीर चौधरी, प्रसिद्ध लोकगायक साहिल सैनी, लेखाकार महेंद्र सिंह, अशोक यादव, हर्ष यदुवंशी, उपचार गोशाला पटीकरा के गोरक्षक प्रतिनिधिगण, सुधीर प्रवेश जांगिड़, योगेंद्र बेवाल झिलरो, कर्मपाल फौजी, मास्टर मनोज, मास्टर हिम्मत, मास्टर संजय योगी, विक्की यादव, कृष्ण कुमार, युवा शक्ति फाउंडेशन परिवार सेका, ग्रामवासी सेका ने सहभागिता कर कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाया।

चेतावनी कर्मचारी अपने अधिकारों की लड़ाई के लिए पूरी तरह तैयार

58 साल की सेवा सुरक्षा का पत्र नहीं मिला तो एक जुलाई से होगा आंदोलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड (एचकेआरएनएल) कर्मचारियों को 58 वर्ष की सेवा सुरक्षा संबंधी पत्र समय पर जारी नहीं किए जाने पर अनुबंधित स्वास्थ्य कर्मचारी संघ 21-07 हरियाणा ने नाराजगी जताई है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष भूपेश पालीवाल ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने जल्द कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा संबंधी पत्र जारी नहीं किए तो एक जुलाई को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। भूपेश पालीवाल ने कहा कि गत 26 अप्रैल 2026 को गुरुग्राम में भारतीय मजदूर संघ की आमसभा के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कर्मचारियों को आश्वस्त किया था कि 15 जून 2026 तक सेवा सुरक्षा से संबंधित पत्र जारी कर दिए जाएंगे। निर्धारित समय बीत जाने के बावजूद कर्मचारियों को पत्र नहीं मिले हैं, जिससे उनमें निराशा और असंतोष बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय मजदूर संघ द्वारा सरकार को सौंपे गए मांग पत्र पर भी अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। सरकार की इस उदासीनता के कारण कर्मचारियों में रोष व्याप्त है। यदि सरकार कर्मचारियों के हितों की अनदेखी करती रही तो संगठन को बड़ा आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि कर्मचारी अपने अधिकारों की लड़ाई के लिए पूरी तरह तैयार हैं। एक जुलाई को सभी जिलों में होने वाले धरना-प्रदर्शन के माध्यम से कर्मचारियों की एकजुटता दिखाई देगी। इसके बाद भी मांगें पूरी नहीं हुईं तो पंचकूला में प्रदेशस्तरीय बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

सरकार पर उपेक्षा का आरोप

पालीवाल ने कहा कि उनका संगठन हमेशा शांतिपूर्ण वार्ता और संवाद के माध्यम से समस्याओं के समाधान में विश्वास रखता है, लेकिन सरकार की ओर से अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने के कारण कर्मचारियों को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि एचकेआरएनएल के माध्यम से कार्यरत कच्चे कर्मचारियों को 58 वर्ष की सेवा सुरक्षा का पत्र जल्द जारी किया जाए तथा उनकी अन्य लंबित मांगों पर भी सकारात्मक निर्णय लिया जाए।

मानव उत्थान सेवा समिति ने योग दिवस पर किया अभ्यास

नारनौल। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मानव उत्थान सेवा समिति शाखा नारनौल की ओर से शनिवार को एक भव्य योग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों, महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों ने भाग लेकर योगाभ्यास किया तथा नियमित रूप से योग को जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ योग प्रभारी महात्मा चतुर्वेदी बाई एवं महात्मा गरिमा बाई ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। उन्होंने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ बनाता है। शिविर में मुख्य योगाचार्य लखन लाल पीटीआई ने प्रतिभागियों को कपालभाति, अनुलोम-विलोम, भ्रामरी प्राणायाम, सूर्य नमस्कार सहित विभिन्न योगासन करवाए। उन्होंने योग करने की सही विधि बताते हुए कहा कि नियमित योगाभ्यास से शरीर स्वस्थ, मन शांत और आत्मविश्वास मजबूत होता है। उन्होंने विभिन्न आसनों के लाभों की भी विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में जिला प्रधान नंदलाल, महीपाल मास्टर, लालचंद सैनी, कविता, मीनू वर्मा, माली, लक्ष्य, जियांश, भागवती सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों और श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

पल्ह में किया पौधारोपण

नारनौल। गांव पल्ह के युवाओं ने ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सराहनीय पहल करते हुए सामूहिक पौधारोपण अभियान चलाया। इस दौरान गांव के युवाओं ने मिलकर सैकड़ों पौधे लगाए और लोगों को पेड़-पौधों के महत्व के प्रति जागरूक किया। अभियान के दौरान युवाओं ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और घटती हरियाली को देखते हुए पौधारोपण समय की सबसे बड़ी जरूरत है। उन्होंने सभी ग्रामीणों से अपील की कि हर व्यक्ति कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसकी देखभाल भी करनी चाहिए। युवाओं ने संकल्प लिया कि लगाए गए पौधों की नियमित देखरेख की जाएगी, ताकि वे बड़े होकर पर्यावरण को स्वच्छ और हरामरा बना सकें।

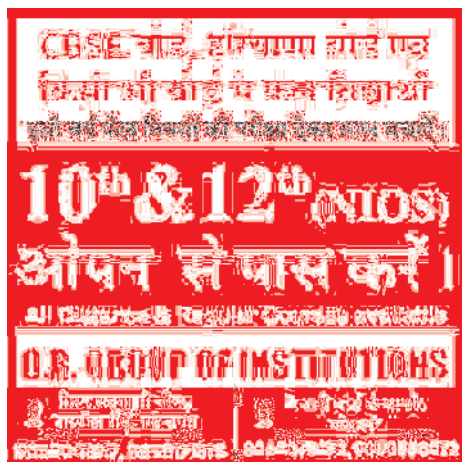

युवा साथी ग्रुप हरियाणा, उड़ान जनसेवा ट्रस्ट व शिक्षक ट्रस्ट ने लगाया रक्तदान शिविर

स्व. मनोज शर्मा की पुण्य स्मृति में रक्तदान शिविर, 101 यूनिट रक्त संग्रहित

■ ओमप्रकाश यादव ने कहा कि रक्तदान महादान है तथा मानवता की सच्ची सेवा का सर्वोत्तम माध्यम है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट, युवा साथी ग्रुप हरियाणा व उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा के संयुक्त तत्वावधान में स्वर्गीय मनोज शर्मा की पुण्य स्मृति में रविवार को यादव सभा भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा व उड़ान जनसेवा के प्रतिनिधि बिरेंद्र यादव ने बताया कि शिविर में नागरिक अस्पताल के ब्लड बैंक की टीम के सहयोग से कुल 101 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव थे। अध्यक्षता कुलताजपुर धाम के महाराज प्रेमदास जी ने की। विशिष्ठ अतिथि हरियाणा महिला आयोग की सदस्य भारती सैनी रही। मुख्य अतिथि ओमप्रकाश यादव ने कहा कि रक्तदान महादान है तथा मानवता की सच्ची सेवा का सर्वोत्तम माध्यम है। उन्होंने आयोजन संस्थाओं की ओर से किए जा रहे सामाजिक कार्यों

की सराहना करते हुए रक्तदाताओं को बैज लगाकर प्रोत्साहित किया तथा मेडल एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया। प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा ने सभी अतिथियों, रक्तदाताओं व सहयोगियों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया।

विशेष आकर्षण रहे यह प्रेरणादायक क्षण

रक्तदान शिविर में कई भावुक एवं प्रेरणादायक दृश्य देखने को मिले। सुभाष नगर निवासी विक्रम सैनी अपनी नन्ही बेटी को गोद में लेकर रक्तदान करने पहुंचे। यह दृश्य उपस्थित लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा और सभी ने उनकी भावना की सराहना की। वहीं प्रदीप व विजय नामक दो भाइयों ने अपने जन्मदिन को यादगार बनाते हुए रक्तदान किया। इसी प्रकार दंपति आशीष शर्मा व कंचन शर्मा और कमल सैनी व पिंकी सैनी ने एक साथ रक्तदान कर दूसरों को भी प्रेरित किया। युवा साथी ग्रुप हरियाणा एवं उड़ान जनसेवा ट्रस्ट के कार्यकर्ताओं की सक्रियता के चलते शिविर में रक्तदाताओं का उत्साह देखते ही बनता था। रक्तदान के लिए युवाओं व नागरिकों की लगातार कतारें लगी रही। आयोजकों ने सभी रक्तदाताओं, सहयोगियों व अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यक्रमों के आयोजन का संकल्प दोहराया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर हरियाणा महिला आयोग की सदस्य भारती सैनी, युवा साथी ग्रुप हरियाणा के अध्यक्ष टिंकू प्रधान, उड़ान जनसेवा ट्रस्ट के प्रधान बिरेंद्र सिंह, पूर्व जिला बाल कल्याण अधिकारी विपिन शर्मा, दलजीत शास्त्री, वरिष्ठ नागरिक संगठन के प्रधान दुलीचंद शर्मा, वरिष्ठ साहित्यकार रामनिवास मानव, नेत्रहीन कन्या विद्यालय के प्रधान मुखराम सैनी, सुरेशचंद्र शर्मा, अमिचंद सैनी, विजय गोस्वामी, भीमसेन शर्मा, देवदत्त शर्मा, डॉ. जितेंद्र भारद्वाज, नरोत्तम सैनी, राकेश शर्मा, इंजी. कमल सैनी, रविंद्र शर्मा, विक्रम सिंह, संदीप, अनिल कुमार, प्राचार्य दिनेश शर्मा, गोविंद शर्मा, एडवोकेट कृष्ण कुमार शर्मा, एडवोकेट बनवारी लाल शर्मा, दिनेश शर्मा, एडवोकेट मुरारीलाल शर्मा, कृष्ण शर्मा एडवोकेट, धर्मसिंह प्रवक्ता, तेजेंद्रपाल सिंह, कुसुम निर्मल, कमला शर्मा, रानी संघी, गीतांजलि चौधरी, लक्ष्मी, पवन शुक्ला, इंदु गुप्ता, मंजीत गुणवाल, कंचन शर्मा, रवीना सोनी, नरोत्तम सोनी, मीना शर्मा, मोना शर्मा, अजय शर्मा, अमित शर्मा, पवन, ओसिन शुक्ला, प्रद्युम्न शर्मा, प्रदीप टांडू, मोहित सेठी, पीयूष सैनी, भारत बोहरा, नन्नू सोनी, वैभव अग्रवाल, विक्की सैनी, डेलीगेट वेदप्रकाश, प्रदीप फौजी शहबाजपुर, कृष्ण, धर्मवीर, हेमंत, दिनेश, विकाश यादव प्रोफेसर, राकेश मंढाना, हरिओम कोजिंदा, रवि कुमार, सुदेश, संदीप, बिरेंद्र, नया सवेरा टीम, प्रमोद शर्मा, आदि उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

दौड़ में प्रीतम ने जीता गोल्ड मेडल

नारनौल। गांव मंढाणा के प्रीतम कुमार ने अंतर राष्ट्रीय योग दिवस के

उपलक्ष्य पर राजघाट नई दिल्ली में आयोजित 10 किलोमीटर लंबी मैराथन दौड़ प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता है। इस प्रतियोगिता में सैकड़ों खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रीतम काफी सालों से लंबी दौड़ का अभ्यास कर रहे है और कई राष्ट्रीय व अंतर राष्ट्रीय मैराथन प्रतियोगिता भी जीत चुके है। प्रीतम बहुत ही साधारण परिवार से निकला है। इस अवसर पर गांव व क्षेत्र में खुशी की लहर है।

धरसूं में किया श्रीश्याम बाबा का जागरण

नारनौल। गांव धरसूं में चौथा श्रीश्याम जागरण व भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें टाईगर क्लब प्रधान राकेश यादव, पदाधिकारी राजेश सैनी, प्रमोद सैनी, सुनील शर्मा, प्रवीण यादव पहुंचे। श्रीश्याम सेवा समिति एवं समस्त ग्रामवासी की ओर से जागरण का आयोजन किया गया। जिसमें मन्नू श्याम प्रेमी जींद, संजय शर्मा दिल्ली, सोनू लीला पार्टी नावदी ने श्याम बाबा का मधुर गुणगान किया गया। महाकाल आर्ट ग्रुप ने झांकियों की प्रस्तुति दी। मंच संचालन हेमंत जैन ने किया। वहीं 56 भोग की सेवा समाजसेवी पवन कौशिक, अनिल कौशिक, राहुल ने की। कार्यक्रम में पहुंचे सम्मानित अतिथियों का सम्मान आयोजक पवन कौशिक, अनिल कौशिक, हन्नी, राहुल ने बाबा का पटका व स्मृति चिह्न देकर किया।

कई दिनों से सड़क किनारे पड़ी गंदगी, लोग हो रहे परेशान

करीब 22 लाख खर्च, फिर भी गंदगी से नालों का बुरा हाल

नारनौल। सफाई के बावजूद रेवाड़ी रोड पर छलक नाले में भरी गंदगी।

छलक नाले की गंदगी सड़क पर छोड़ भूला नगर परिषद, बरसात में फिर नाले में बह रहा कचरा

नालों की सफाई पर उठ रहे सवाल, पार्षदों की नाराजगी के बाद भी नहीं सुधरी व्यवस्था

मानसून से पहले सफाई अभियान अधूरा, जलभराव और बीमारियों का बढ़ा खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

मानसून की दस्तक के बीच शहर में नालों की सफाई व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। नगर परिषद द्वारा करीब 22 लाख रुपये खर्च कर मुख्य नालों और वार्डों में सफाई अभियान चलाया जा रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। शहर के प्रमुख छलक नाले की सफाई के दौरान निकाली गई गंदगी कई दिनों से सड़क किनारे पड़ी हुई है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

नगर परिषद ने 15 जून को गोशाला रोड के साथ लगते छलक नाले में जेसीबी मशीन लगाकर सफाई अभियान चलाया था। सफाई के दौरान नाले से निकाली गई सिल्ट, प्लास्टिक और अन्य कचरे को सड़क किनारे डाल दिया गया, लेकिन एक सप्ताह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद उसका उठान नहीं किया गया। अब बरसात शुरू होने के बाद यही गंदगी वापस बहकर नाले में जा रही है, जिससे पूरे अभियान की उपयोगिता पर प्रश्नचिह्न लग गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि नाले की सफाई केवल दिखावे तक सीमित रह गई है। सड़क किनारे पड़े कचरे से दुर्गंध फैल रही है और राहगीरों को भी परेशानी हो रही है। कई स्थानों पर नालों की सफाई आधी-अधूरी छोड़ दी गई है, जिससे बरसात के दिनों में जलभराव का खतरा और बढ़ गया है। नगर परिषद ने शहर के मुख्य नालों और वार्डों की सफाई के लिए करीब 22 लाख रुपये का टेंडर जारी किया है, जबकि हुडा सेक्टर सहित पॉश कॉलोनियों के नालों की सफाई के लिए अलग से लगभग 13 लाख रुपये का टेंडर दिया गया है। इसके बावजूद कई क्षेत्रों में नाले गंदगी से अटे पड़े हैं।

सफाई अभियान एक नजर में

- मई माह से नगर परिषद ने शुरू किया सफाई अभियान
- मुख्य नालों व वार्डों की सफाई के लिए 22 लाख रुपये का टेंडर
- हुडा सेक्टर व पॉश कॉलोनियों के लिए 13 लाख रुपये का अलग टेंडर
- 4 जून को डीएमसी रणबीर सिंह ने किया शहर के नालों का निरीक्षण
- 16 जून को पार्षदों ने बैठक में जताई थी भारी नाराजगी
- कई स्थानों पर अब भी नाले गंदगी और झाड़-झंखाड़ से भरे पड़े हैं।

नगर पार्षद भी नाराज

16 जून को आयोजित नगर परिषद की साधारण बैठक में भी लगभग सभी पार्षदों ने नालों की सफाई और शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताई थी। पार्षदों का कहना था कि जब तक वे सफाई कार्य से संतुष्ट नहीं होंगे, तब तक संबंधित एजेंसियों को भुगतान नहीं किया जाना चाहिए। इसके बावजूद सफाई व्यवस्था में कोई बड़ा सुधार देखने को नहीं मिला है। शहरवासियों का कहना है कि यदि मानसून के दौरान नालों की समय पर और सही तरीके से सफाई नहीं हुई तो कई इलाकों में जलभराव की समस्या गंभीर रूप ले सकती है। इसके अलावा गंदगी के कारण मच्छरों की संख्या बढ़ने और संक्रामक बीमारियां फैलने का भी खतरा बना हुआ है।

डीएमसी कर चुके निरीक्षण

इससे पहले 4 जून को जिला नगर आयुक्त (डीएमसी) रणबीर सिंह ने काठ मंडी, रेलवे रोड, एचएसवीपी सेक्टर, नागरिक अस्पताल रोड और सीआईए रोड सहित कई क्षेत्रों का निरीक्षण किया था।

गंदगी से बढ़ सकता है बीमारियों का खतरा

नालों में जमा कचरा और सड़क किनारे पड़ी गंदगी मच्छरों एवं अन्य रोग फैलाने वाले कीटों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार ऐसी परिस्थितियों में डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, दस्त, टायफाइड और त्वचा संबंधी रोग फैलने की आशंका बढ़ जाती है। बरसात के दौरान यह खतरा और अधिक बढ़ जाता है।

निरीक्षण कर पुनः सफाई करवाई जाएगी

शहर के नालों की सफाई को लेकर कुछ शिकायतें प्राप्त हुई हैं। शिकायतों के आधार पर सफाई कार्य कर रही टेंडर एजेंसी को दोबारा आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जहां-जहां से शिकायतें मिल रही हैं, वहां निरीक्षण कर पुनः सफाई करवाई जाएगी। एजेंसी को तय मानकों के अनुसार ही कार्य करना होगा।

-सोहन सिंह, एमई नगर परिषद, नारनौल।

न्यूज डायरी

पुण्यतिथि पर लगाई सवामणी

महेंद्रगढ़। स्थानीय श्री गौशाला धोलपोश आश्रम के प्रांगण में रविवार को सवामणी आयोजित की गई। स्व. बाबुलाल शर्मा बवानिया की पुन्य तिथि पर उनके परिवार जनों के साथ परिवार की सुख शांति समृद्धि के लिए सवामणी का आयोजन कर गायों को चाट खिलाई। गौशाला धोलपोश के प्रधान रविन्द्र तिवाड़ी ने कहा की गौ सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारे हिंदू शास्त्रों के अनुसार गो-सेवा सबसे बड़ा धर्म है, जो व्यक्ति सच्चे मन से गो-सेवा करता है।

बार एसोसिएशन ने किया योगाभ्यास

महेंद्रगढ़। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर स्थानीय बार एसोसिएशन द्वारा प्रधान संदीप यादव के नेतृत्व में योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बार एसोसिएशन के प्रधान संदीप यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में योग की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि मानसिक संतुलन और सकारात्मक जीवनशैली का भी मार्ग प्रशस्त करता है। संदीप यादव ने कहा कि योग भारत की प्राचीन और गौरवशाली परंपरा है, जिसके प्रति लोगों को जागरूक करने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। कोरोना महामारी के दौरान भी योग ने लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और स्वास्थ्य लाभ में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। इस अवसर पर उपस्थित अधिवक्ताओं एवं अन्य लोगों ने पार्क में विभिन्न योगासन कर स्वस्थ जीवन अपनाने का संकल्प लिया।

नांगल दुर्गू में किया योगाभ्यास

नांगल चौधरी। पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नांगल दुर्गू में 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या कैलाश यादव ने की, जिसमें पंचायत प्रतिनिधि मुख्य रूप से मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की मुख्य थीम स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग निर्धारित की गई है। जिसके माध्यम से योग युक्त-नशा मुक्त हरियाणा के पावन संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने सभी बच्चों, युवाओं एवं बुजुर्गों से नियमित रूप से योग अपनाने का आह्वान करते हुए योग के महत्व पर प्रकाश डाला तथा करो योग, रहो निरोग का संदेश दिया।

योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का दिया संदेश

मंडी अटेली। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर अटेली क्षेत्र के गांव गुवानी में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम में गांव के युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और विभिन्न योगासन कर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। इस मौके पर सरपंच प्रतिनिधि दिनेश यादव ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो शरीर, मन और आत्मा को संतुलित रखने में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि नियमित योग करने से न केवल बीमारियों से बचाव होता है, बल्कि मानसिक तनाव भी कम होता है। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। अंत में सभी ने नियमित रूप से योग करने का संकल्प लिया। इस मौके पर गांव के गणमान्य व्यक्ति, सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

बिजली बिल समाधान शिविर कल

नारनौल। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के अधीक्षक अभियंता जोगेंद्र हुड्डा ने बताया कि 23 जून को उपभोक्ताओं की बिजली बिल संबंधी शिकायतों के समाधान के लिए विशेष सुनवाई शिविर आयोजित किया जाएगा। यह शिविर बिजली बोर्ड के सर्कल कार्यालय में सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक चलेगा, जिसमें शहरी व ग्रामीण उपभोक्ता अपनी बिजली बिल संबंधी समस्याएं दर्ज करवा सकेंगे।

पाली स्कूल में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया

महेंद्रगढ़। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पाली में 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस धूमधाम से मनाया गया। प्रिंसिपल जयंती बाई ने कहा कि योग का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। नियमित रूप से योग करने से बड़े से बड़ा रोग दूर हो जाता है। योगाभ्यास से हमारा तन हष्ट-पुष्ट और दिमाग बिल्कुल शांत रहता है। इसलिए योग को हमें अपनी दैनिक दिनचर्या में अपनाना चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय का स्टाफ और बच्चों ने भी अनुलोम, विलोम, कपालभाति, बृहस्तरीका, मंडुकाशन सहित अनेक योग क्रियाएं की।

योग से भारत को बनाया जा सकता है निरोग

मंडी अटेली। हरियाणा योग आयोग एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को अटेली के महिला महाविद्यालय में 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर नांगल चौधरी के एसडीएम उदय सिंह मुख्य अतिथि रहे, जबकि जिला प्रमुख डा. राकेश कुमार, पूर्व विधायक सीताराम यादव विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम में मौजूद रहे। पूर्व विधायक सीताराम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देखा गया विकसित भारत का स्वप्न योग से ही सरकार होता नजर आ रहा हैं उन्होंने उपस्थित जन समूह से आह्वान किया कि देश की तस्वीर व तकदीर हम तब ही बदल पाएंगे, जब हम स्वस्थ होंगे और यह कार्य केवल योग करने से ही संभव हो सकता है।

भाविप ने मनाया योग दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

भारत विकास परिषद, सैनी क्षत्रिय सभा एवं बाल चरित्र निर्माण सभा के संयुक्त तत्वावधान में 21 जून को योग दिवस के अवसर पर सैनी स्कूल के प्रांगण में योग दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि व्यापारी मोतीलाल अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। शिक्षाविद राजेंद्र भारद्वाज ने योग कक्षा ली और योग के महत्व के बारे में बताया। मुख्य अतिथि मोती लाल अग्रवाल ने कहा की योग करने से न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की प्राप्ति होती है, बल्कि व्यक्ति जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त करता है। शिक्षाविद्व सेवानिवृत्त मुख्य अध्यापक रमेश टांक ने सफलतापूर्वक मंच संचालन किया। अध्यक्षता जगदीश कटार ने की। बाल चरित्र निर्माण सभा के संचालक रतिराम टांक ने मंच पर कठिन योगासन करके दिखाएं। भारत विकास परिषद के संरक्षक विश्वनाथ मिश्रा ने सैनी सभा द्वारा संचालित स्कूल की सफलता के लिए सभी का योगदान के लिए आह्वान किया।

आर्य समाज की विचारधारा से कुरीतियों पर लगेगा अंकुश : डॉ. गजेसिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

सैदअलीपुर में आयोजित सात दिवसीय वीर आर्य चरित्र निर्माण एवं आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर संपन्न हो गया। समापन समारोह की अध्यक्षता प्रधान बिरेंद्र यादव ने की, जिसमें समाजसेवी डॉ. गजेसिंह चोपड़ा व भाजपा नेता सुंदर चौधरी विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम में युवाओं ने तलवारबाजी तथा जूड़ो-कराटे के हैरतगंज करतब प्रस्तुत किया। उन्होंने प्रतिभाशाली बच्चों को प्रशंसा पत्र देकर प्रोत्साहित किया। साथ ही सामाजिक कुरीतियों को मिटाने तथा विकसित भारत निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि आर्य समाज की विचारधारा समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसलिए युवाओं में अनुशासन, संस्कार, चरित्र निर्माण व राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यदि युवा सही दिशा में आगे बढ़ेंगे, तो विकसित भारत के संकल्प को नई मजबूती मिलेगी। आधुनिकता के दौर में युवाओं को शारीरिक रूप से सक्षम होने के साथ-साथ नैतिक मूल्यों से भी जुड़ना चाहिए। ऐसे प्रशिक्षण शिविर बच्चों व युवाओं में आत्मविश्वास पैदा करते हैं तथा उन्हें समाज व राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का एहसास कराते हैं।

विधायक मंजू चौधरी ने लिंक सड़कों की दुर्दशा से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को सौंपा था शिकायत पत्र

छह करोड़ की सौगात, 13 गांवों की जर्जर सड़कें होंगी दुरुस्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

कंडम हो चुकी ग्रामीण लिंक सड़कों पर वाहनों का सफर सुरक्षित और समयबद्ध हो सकेगा, क्योंकि नांगल चौधरी हलके में छह करोड़ की लागत से 13 गांवों की लिंक सड़कों की रिपेयर स्वीकृत की गई है। बजट मिलने पर मार्केटिंग बोर्ड ने टैंडर छोड़ने की प्रक्रिया तेज कर दी है। अगले महीने टैंडर आमंत्रित करने की औपचारिकता पूरी कर ली जाएगी। जिससे ग्रामीणों को सुरक्षित और तत्परता पूर्वक सफर करने में मदद मिलेगी। आपको बता दें कि नांगल चौधरी हलके के तीन तरफ राजस्थान की सीमा लगती है। साथ माइंस व क्रैर जोन होने के कारण ओवरलोड डंपरों का सर्वाधिक आवागमन रहता है। राजस्थान को जोड़ने वाली अधिकांश सड़कें कंडम स्थिति में हैं, जहां जानलेवा हादसों की संख्या बढ़ गई है।

शिकायत मिलने पर विधायक मंजू चौधरी ने मार्च महीने में सदन को समस्या से अवगत कराया, इसके बाद मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर रिपेयर का बजट स्वीकृत करने की मांग रखी। सरकार के निर्देशानुसार विभागीय अधिकारियों ने अप्रैल महीने में लागत एस्टिमेट तैयार करके हैड क्वाटर भेजा था। जिसके अनुसार सिलारपुर से कांवी तक 1.68 किलामीटर सड़क की रिपेयर को मंजूरी मिली है। रामबास से किशनपुरा राजस्थान बार्डर तक 1.14 लंबी लिंक सड़क की रिपेयर स्वीकृत की गई है।

नारेड़ी से पवेरा 3.09 किलोमीटर, बलाह कलां से दोचाना तक 2.93 किलोमीटर, मेघात हाला से रनवीर की ढाणी तक 1.6 किलोमीटर, ढाणी बायावाली से सिरोही बहाली तक करीब डेढ़ किलोमीटर लंबी सड़क का नवीनीकरण होगा। बिगोपुर से ढाणी चिरागपुर वाया बेरूंडला तक करीब तीन किलोमीटर, टहला से अमरपुर जौरासी तक दो किमी, गहली से हमीदपुर तक 1.29 किमी, नांगल पीपा से अकबरपुर तक 2.81 किमी, नांगल कालिया से ढाणी कुंभा तक निर्मित सड़क की रिपेयर कराई जाएगी। भुंगारका से इकबालपुर नंगली तथा नांगल नूनियां से छारदड़ा राजस्थान बार्डर तक सड़क की मरम्मत स्वीकृत हुई है। विभागीय पत्रानुसार 27 किलोमीटर लंबी सड़कों पर 582.26 लाख खर्च किए जाएंगे।

बजट मिलने पर टैंडर प्रक्रिया में जुटा मार्केटिंग बोर्ड

ग्रामीणों को सुरक्षित व तत्परता से सफर की मिलेगी सुविधा

टेंडर आमंत्रण की अवधि समाप्त, जल्द होंगे अलॉट

विधायक मंजू चौधरी ने 419.46 लाख के टैंडर 18 जून तक विभाग की तकनीकी ब्रांच गुरुग्राम में आमंत्रित किए गए थे। जिसमें नौ गांवों की सड़कों को शामिल किया है। इसके अलावा 162.80 लाख के 27 मई को गुरुग्राम ब्रांच में आमत्रित हुए थे, 18 जून को पोर्टल क्लोज हो चुका है। अब विभाग टैंडर ओपन करके जल्द ही अलॉट करने की प्रक्रिया शुरू करेगा। उन्होंने बताया कि गांवों में पेयजल की गंभीर समस्या है, जिससे सरकार को अवगत कराया गया है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरुण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005